श्री राम जी के दास | By Gyan Pankaj

काम कोई ऐसा ना जग में जो करते हनुमान नहीं
फिर भी राम के दास कहाये ह्रदय में अभिमान नहीं

सूरज मुख में रखने वाले प्रेम का भोग लगाते हैं
सागर लांघने वाले पल में नैया पार लगाते हैं
इनका रस्ता रोक सके जो ऐसी कोई चट्टान नहीं
फिर भी राम के दास कहाये ह्रदय में अभिमान नहीं

लखन के प्राणो के दाता भक्त की रक्षा करते हैं
भूत पिशाच निकट नहीं आवे वो हनुमान से डरते हैं
ले पर्वत हाथों में उड़े जो ऐसा कोई बलवान नहीं
फिर भी राम के दास कहाये ह्रदय में अभिमान नहीं

तेरा समर्पण देख के हनुमत बांह पकड़ ले जायेंगे
तेरे मन में भक्ति भर के राम का दर्श कराएँगे
पंकज जिसने नाम जपा है वो खोता पहचान नहीं
फिर भी राम के दास कहाये ह्रदय में अभिमान नहीं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b8-by-gyan-pankaj/